**ST. JOSEPH’S COLLEGE (AUTONOMOUS), BENGALURU -27**

**BA, BSc, BCA, BCOM & BBA HINDI– IV SEMESTER**

**SEMESTER EXAMINATION: APRIL 2023**

**(Examination conducted in May 2023)**

**HN 422 – HINDI**

**(For current batch students only)**

**Time: 2 Hours Max Marks: 60**

**This paper contains TWO printed pages and FOUR parts**

**PART-A**

**प्रश्‍न I: निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्‍नों के उत्तर आठ सौ शब्दों में लिखिए। 12x02=24**

1. ‘नीम का पेड़’ उपन्यास में चित्रित पारिवारिक संबंधों का विश्लेषण कीजिए।
2. ‘नीम का पेड़’ उपन्यास की कथावस्तु लिखिए।
3. ‘नीम का पेड़’ उपन्यास में चित्रित राजनीति पर टिप्पणी कीजिए।

**Part-B**

**प्रश्‍न II: निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 08x02=16**

1. “कौन, कब किसका है? कौन जाने और राजनीति में तो बिल्कुल पता नहीं, कब कौन किसे धोखा दे दे ! वोट बिकते हैं, वोट देनेवाले बिकते हैं....”
2. “वे कहते थे कि आज़ादी आएगी-आज़ादी आ तो गई पर सूरज तो वही पुराना ही निकल रहा है....और उस सबेरे का दूर-दूर तक कोई पता ही नहीं।”
3. “हीरा अपनी कीमत जानता हो या न जानता हो, लेकिन मैं यह जरूर जानता हूँ कि मैं बिकाऊ नहीं हूँ। यह सच है कि ज़िन्दगी में हर चीज़ की अपनी कीमत है, लेकिन यह भी सच है कि बाज चीज़ें ज़िन्दगी से ज्यादा कीमती हैं।”

**Part-C**

**प्रश्‍न III: निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। 10x01=10**

1. जलवायु परिवर्तन।
2. निजीकरणः किसका फायदा-किसका नुकसान ?

**Part-D**

**प्रश्न IV. निम्नलिखित अनुच्छेद का संक्षेपण कर उचित शीर्षक दीजिए। 10x01=10**

1. खानपान की बदलती आदतों की वजह से लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को लेकर समय-समय पर अध्ययन आते और चिंता जताई जाती रहती है। मगर सच्चाई यह है कि इस दिशा में गंभीरता से कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। भारत में डिब्बाबंद और तुरंता आहार खाने की आदतों के चलते बच्चों में बढ़ते मोटापे को लेकर आई ताजा रपट में कहा गया है कि अगर खानपान की यही आदतें बनी रहीं, तो अगले बारह सालों में मोटापा बढ़ने की दर लड़कों में बारह फीसद और लड़कियों में सात फीसद तक पहुंच सकती है। इसका देश के सकल घरेलू उत्पाद पर 1.8 फीसद तक प्रभाव पड़ेगा। ऐसे देशों में कभी आर्थिक और सामाजिक खुशहाली का वातावरण नहीं बन सकता, जहां के नागरिक बीमारियों से घिरे हो और वहां की सरकारों को स्वास्थ्य के मद में अधिक खर्च करना पड़ता हो। इस दृष्टि से भारत में बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे बुरे असर को लेकर चिंता स्वाभाविक है। इस समस्या की बड़ी वजह कारखाने में बने डिब्बाबंद और तुरंता आहार बताए जा रहे हैं, इसलिए पहली नजर में सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि इस तरह के खाद्य के चलन और उनके प्रचार-प्रसार पर नियंत्रण करें। मगर यह केवल सरकारों के प्रयास से संभव नहीं है। नागरिक सहभागिता भी जरूरी है।

**-------------XXXXXXXXX----------------**